अध्याय V

राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यम (एस0पी0एस0ई0)

यह अध्याय बिहार में सरकारी कम्पनियों, सांविधिक निगमों और सरकार नियंत्रित अन्य कम्पनियों के वित्तीय निष्पादन का सारांश प्रस्तुत करता है। इस अध्याय में राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों (एस0पी0एस0ई0) के अन्तर्गत उन सरकारी कम्पनियों को शामिल किया गया है जिनमें राज्य सरकार की धारिता 51 प्रतिशत या उससे अधिक है तथा ऐसी सरकारी कम्पनियों की सहायक कम्पनियाँ भी शामिल है। राज्य विधानमंडल द्वारा अधिनियमित संविधियों के अंतर्गत स्थापित सांविधिक निगमों और राज्य सरकार के प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से स्वामित्व वाली या नियंत्रित अन्य कम्पनियों को भी एस0पी0एस0ई0 के रूप में श्रेणीबद्ध किया गया है।

इसके अतिरिक्त, केन्द्रीय सरकार या किसी राज्य सरकार या सरकारों या केन्द्रीय सरकार द्वारा आंशिक रूप से और एक या अधिक राज्य सरकारों द्वारा आंशिक रूप से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से स्वामित्व या नियंत्रण वाली किसी अन्य कम्पनी को इस अध्याय में सरकार नियंत्रित अन्य कम्पनियों के रूप में दर्शाया गया है।

राज्य में मार्च 2022 तक एस0पी0एस0ई0 की कुल संख्या 77[48] थी, जिसमें 37 कार्यशील एस0पी0एस0ई0 एवं 40 अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 थी। जबकि विगत तीन वर्षों यथा 2019–20, 2020–21 तथा 2021–22 तक के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर इस अध्याय में कुल 16 एस0पी0एस0ई0 (15 सरकारी कम्पनियाँ एवं एक सांविधिक निगम) को शामिल किया गया है। शेष 61[49] एस0पी0एस0ई0 जिनके लेखे तीन वर्ष या उससे अधिक के लिए बकाये थे या निष्क्रिय/परिसमापन के अधीन थी या प्रथम लेखे प्राप्त नहीं हुए थे, उन्हें इस अध्याय में शामिल नहीं किया गया है क्योंकि लेखाओं के बकाये होने के कारण वर्ष 2021–22 के लिए इन एस0पी0एस0ई0 द्वारा राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में वास्तविक योगदान एवं अर्जित लाभ/वहन की गई हानि सहित उनकी लाभप्रदता सुनिश्चित नहीं की जा सकती थी। फलतः, राजकोष में उनका योगदान राज्य की विधानमंडल को भी प्रतिवेदित नहीं किया गया था।

5.1 राज्य सार्वजनिक क्षेत्र उद्यमों के वित्तीय निष्पादन का सारांश

5.1.1 अधिदेश

सरकारी कम्पनियों और सरकार नियंत्रित अन्य कम्पनियों की लेखापरीक्षा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के (कर्त्तव्य, शक्तियाँ तथा सेवा की शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 19 के साथ पठित कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 143(5) से 143(7) के प्रावधानों तथा उनके अंतर्गत बनाए गए विनियमों के अन्तर्गत नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा की जाती है। कम्पनी अधिनियम, 2013, के अर्न्तगत, नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक कम्पनियों के लिए सांविधिक लेखापरीक्षकों के रूप में सनदी लेखाकारों की नियुक्ति करते हैं और उस तरीके पर निर्देश देते हैं जिससे लेखाओं की लेखापरीक्षा की जानी है। इसके अतिरिक्त, नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक को अनुपूरक लेखापरीक्षा करने का अधिकार है। कुछ सांविधिक निगमों को शासित करने वाली संविधियों में उनके लेखाओं की लेखापरीक्षा केवल नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा किया जाना अपेक्षित है।

5.1.2 इस अध्याय में क्या है

इस अध्याय में राज्य सरकार की कम्पनियों, सांविधिक निगमों तथा सरकार नियंत्रित अन्य कम्पनियों के वित्तीय निष्पादन की समग्र स्थिति, जैसा कि उनके लेखाओं से प्रकट होता है, को दर्शाया गया है।

---

[48] राज्य में एस0पी0एस0ई0 की कुल संख्या मार्च 2021 तक 79 एस0पी0एस0ई0 थी। वर्ष 2021–22 के दौरान 79 एस0पी0एस0ई0 में से दो एस0पी0एस0ई0 यथा बिहार स्टेट सीमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (सूची से नाम काट दिया गया) तथा भवानी ऐक्टिव कार्बन लिमिटेड (सरकारी कम्पनी नहीं रहने के कारण) को शामिल नहीं किया गया है।

[49] कुल 61 एस0पी0एस0ई0 में से आठ अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 सहित नौ एस0पी0एस0ई0 ने अपने प्रथम लेखे प्रस्तुत/अन्तिमीकृत नहीं किए थे तथा शेष 52 एस0पी0एस0ई0, जिसमें 36 अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 भी शामिल है, के लेखे तीन वर्ष या उससे अधिक समय के लिए बकाया थे।

वर्ष 2021–22 के लिए नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक द्वारा एस0पी0एस0ई0 के वित्तीय विवरणों की अनुपूरक लेखापरीक्षा के परिणामस्वरूप की गई महत्वपूर्ण टिप्पणियों का प्रभाव इस अध्याय में दिया गया है।

5.1.3 एस0पी0एस0ई0 की संख्या

31 मार्च 2022 को नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लेखापरीक्षा क्षेत्राधिकार के अंतर्गत 77 एस0पी0एस0ई0 थे। इनमें 70 सरकारी कम्पनियाँ, तीन सांविधिक निगम तथा चार सरकार नियंत्रित अन्य कम्पनियाँ शामिल थी।

सरकारी कम्पनियाँ	**70**
सांविधिक निगम	**3**
सरकार नियंत्रित अन्य कम्पनियाँ	**4**
कुल एस0पी0एस0ई0	**77**

इनमें से, 16 एस0पी0एस0ई0 के वित्तीय निष्पादन का सारांश इस अध्याय में शामिल किया गया है और इन एस0पी0एस0ई0 की प्रकृति को **तालिका 5.1** में दर्शाया गया है :

तालिका 5.1: इस अध्याय में शामिल एस0पी0एस0ई0 का कार्यक्षेत्र और प्रकृति

एस0पी0एस0ई0 की प्रकृति	एस0 पी0 एस0 ई0 की कुल संख्या	अध्याय में शामिल एस0पी0एस0ई0 की संख्या				इस अध्याय में शामिल नहीं किए गए एस0पी0 एस0ई0 की संख्या	बकाये लेखाओं वाले एस0पी0 एस0ई0 की संख्या
		वर्ष तक के लेखे			कुल		
		2021–22	2021–22	2021–22			
कार्यशील सरकारी कम्पनियाँ	30	1	8	5	14	16	29
कार्यशील सांविधिक निगम	3	0	0	1	1	2	3
सरकारी कम्पनियों / निगमों की कुल संख्या	**33**	**1**	**8**	**6**	**15**	**18**	**32**
सरकार नियंत्रित अन्य कम्पनियाँ	4	0	0	0	0	4	4
कार्यशील एस0पी0एस0ई0 की कुल संख्या	**37**	**1**	**8**	**6**	**15**	**22**	**36**
अकार्यशील सरकारी कम्पनियाँ	40	0	13[50]	0	1	39	40
अकार्यशील सांविधिक निगम	-	-	-	-	-	-	-
अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 की कुल संख्या	**40**	**0**	**1**	**0**	**1**	**39**	**40**
कुल	**77**	**1**	**9**	**6**	**16**[51]	**61**	**76**

(स्रोत : एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

वर्ष 2019–20, 2020–21 तथा 2021–22 के दौरान नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के लेखापरीक्षा क्षेत्र के अंतर्गत 16 एस0पी0एस0ई0 के वित्तीय निष्पादन का सारांश **परिशिष्ट 5.1** में दिया गया है।

[50] बिहार स्टेट एग्रो इण्डस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड।

[51] प्रक्षेत्र – ऊर्जा: 8, कृषि: 1, वित्त: 2, आधारभूत संरचना: 2, सेवा: 1 एवं अन्य: 2

31 मार्च 2022 तक इस अध्याय में शामिल एस0पी0एस0ई0 के वित्तीय निष्पादन का सारांश (सरकारी कम्पनियाँ एवं सांविधिक निगम)

एस0पी0एस0ई0 की संख्या	77
शामिल किए गए एस0पी0एस0ई0	16
प्रदत्त पूँजी (16 एस0पी0एस0ई0)	₹ 40,260.17 करोड़
दीर्घावधि ऋण (सात एस0पी0एस0ई0)	₹ 12,429.50 करोड़
शुद्ध लाभ (सात एस0पी0एस0ई0)	₹ 291.30 करोड़
शुद्ध हानि (पाँच एस0पी0एस0ई0)	₹ 1,946.95 करोड़
शून्य लाभ/हानि (चार एस0पी0एस0ई0)[52]	
घोषित लाभांश	शून्य
टर्नओवर (16 एस0पी0एस0ई0)	₹ 20,396.89 करोड़
निवल मूल्य (16 एस0पी0एस0ई0)	₹ 21,018.33 करोड़

(स्रोत : एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

इस अध्याय में **परिशिष्ट 5.2** में दर्शाए गए 61 एस0पी0एस0ई0 शामिल नहीं है।

5.1.4 राज्य की अर्थव्यवस्था में योगदान

इस अध्याय में शामिल 16 एस0पी0एस0ई0 के टर्नओवर से सकल राज्य घरेलू उत्पाद (जी0एस0डी0पी0) का अनुपात राज्य की अर्थव्यवस्था में एस0पी0एस0ई0 की गतिविधियों की मात्रा को दर्शाता है। मार्च 2022 को समाप्त होने वाले विगत तीन वर्षों की अवधि के लिए एस0पी0एस0ई0 के टर्नओवर एवं बिहार राज्य की जी0एस0डी0पी0 का विवरण नीचे तालिका में दर्शाया गया है :

तालिका 5.2: एस0पी0एस0ई0 के टर्नओवर एवं बिहार की जी0एस0डी0पी0 का विवरण

(₹ करोड़ में)

विवरण	2019-20			2020-21			2021-22		
	ऊर्जा	गैर – ऊर्जा	कुल	ऊर्जा	गैर – ऊर्जा	कुल	ऊर्जा	गैर – ऊर्जा	कुल
टर्नओवर	17,077.90	2,355.53	19,433.43	18,048.72	2,355.75	20,404.47	18,041.14	2,355.75	20,396.89
टर्नओवर में पिछले वर्ष के टर्नओवर की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन	-	-	-	5.68	0.01	5.00	-0.04	0.00	-0.04
बिहार राज्य की जी0एस0डी0पी0	5,82,516			5,87,154			6,75,448		
जी0एस0डी0पी0 में पिछले वर्ष की जी0एस0डी0पी0 की तुलना में प्रतिशत परिवर्तन	-			0.80			15.04		
टर्नओवर का बिहार के जी0एस0डी0पी0 से प्रतिशत	2.93	0.40	3.34	3.07	0.40	3.48	2.67	0.35	3.02

(स्रोत : बिहार सरकार के जी0एस0डी0पी0 आँकड़ों तथा एस0पी0एस0ई0 के टर्नओवर आँकड़ों के आधार पर संकलित)

[52] 2021–22 के दौरान 16 एस0पी0एस0ई0 में से चार एस0पी0एस0ई0 ऐसी थी जिन्होंने लाभ अर्जित अथवा हानि वहन नहीं किया था क्योंकि या तो उनका कारोबार शुरू नहीं हुआ था या उनके लाभ/कुल व्ययों को उनके अनुषंगी कम्पनियों में बाँट दिया गया था या लाभ को लाभार्थियों में वितरित कर दिया गया था। एस0पी0एस0ई0 के संबंध में जहाँ किसी विशेष वर्ष के लेखे 31 जुलाई 2022 के पूर्व प्राप्त नहीं हुए थे, वहाँ आँकड़े नवीनतम अन्तिमीकृत लेखे अर्थात 2019–20, 2020–21 तथा 2021–22 से लिये गये हैं।

ऊर्जा क्षेत्र की आठ एस0पी0एस0ई0 का टर्नओवर 2019–20 में ₹ 17,077.90 करोड़ से बढ़कर 2021–22 में ₹ 18,041.11 करोड़ हो गया। 2020–21 से 2021–22 के दौरान टर्नओवर की वृद्धि दर –0.04 प्रतिशत तथा 5.68 प्रतिशत के मध्य रही, जबकि जी0एस0डी0पी0 की वृद्धि दर इसी अवधि में 0.80 प्रतिशत तथा 15.04 प्रतिशत के मध्य रही। पिछले दो वर्षों के दौरान जी0एस0डी0पी0 की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर[53] (सी0ए0जी0आर0) 7.68 प्रतिशत रही। सी0ए0जी0आर0 विभिन्न समयावधि के दौरान वृद्धि दर को मापने की एक उपयोगी पद्धति है। जी0एस0डी0पी0 के 7.68 प्रतिशत की सी0ए0जी0आर0 के विरूद्ध ऊर्जा क्षेत्र की एस0पी0एस0ई0 के टर्नओवर में पिछले दो वर्षों में 2.78 प्रतिशत की सी0ए0जी0आर0 दर्ज की गई। इसके परिणामस्वरूप जी0एस0डी0पी0 में ऊर्जा क्षेत्र की इन एस0पी0एस0ई0 के टर्नओवर की हिस्सेदारी 2.93 प्रतिशत से घटकर 2.67 प्रतिशत हो गई।

पुनः, आठ गैर–ऊर्जा एस0पी0एस0ई0 का टर्नओवर आंशिक रूप से 0.01 प्रतिशत बढ़कर 2019–20 में ₹ 2,355.53 करोड़ से 2021–22 में ₹ 2,355.75 करोड़ हो गया। जी0एस0डी0पी0 के 7.68 प्रतिशत सी0ए0जी0आर0 के विरूद्ध इन एस0पी0एस0ई0 का टर्नओवर शून्य सी0ए0जी0आर0 दर्ज किया गया क्योंकि इन एस0पी0एस0ई0 का टर्नओवर लगभग समान रहा।

5.2 सरकारी कम्पनियों तथा निगमों में निवेश एवं बजटीय सहायता

31 मार्च 2022 के अन्त तक 16 सरकारी कम्पनियों और निगमों में अंश पूँजी और ऋणों में निवेश की राशि को **तालिका 5.3** में दर्शाया गया है :

तालिका 5.3: सरकारी कम्पनियों और निगमों में अंश पूँजी एवं ऋण

(₹ करोड़ में)

निवेश के स्रोत	31 मार्च 2021 तक			31 मार्च 2022 तक		
	अंश पूँजी	दीर्घकालिक ऋण	कुल	अंश पूँजी	दीर्घकालिक ऋण	कुल
राज्य सरकार	39,654.51	619.30	40,273.81	39,686.75	619.30	40,306.05
केन्द्र सरकार	213.00	0.00	213.00	213.00	0.00	213.00
अन्य	328.19	11,743.93	12,072.12	360.42	11,810.20	12,170.62
कुल निवेश	40,195.70	12,363.23	52,558.93	40260.17	12,429.50	52,689.67
कुल निवेश में राज्य सरकार के निवेश का प्रतिशत	98.65	5.01	76.63	98.58	4.98	78.50

(स्रोत : एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

5.2.1 अंश पूँजी धारिता

2021–22 के दौरान, इस अध्याय में शामिल की गई 16 एस0पी0एस0ई0 में अंकित मूल्य पर कुल अंश पूँजी धारिता में ₹ 64.47 करोड़[54] की निवल वृद्धि दर्ज की गई थी। अंकित मूल्य पर राज्य सरकार की अंश पूँजी धारिता 2020–21 में ₹ 39,654.51 करोड़ से बढ़कर 2021–22 में ₹ 39,686.75 करोड़ हो गई।

सरकारी कम्पनियों और निगमों में 31 मार्च 2022 को समाप्त विगत तीन वर्षों के दौरान राज्य सरकार, केन्द्र सरकार और अन्य द्वारा अंश पूँजी में धारिता को **चार्ट 5.1** में दर्शाया गया है :

[53] चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर = [{(2021–22 का मूल्य / 2019–20 का मूल्य)^(1 / 2 वर्ष)} –1]×100

[54] ₹ 64.47 करोड़ में से 50 प्रतिशत अर्थात ₹ 32.23 करोड़ का निवेश बिहार ग्रिड कम्पनी लिमिटेड में किया गया।

चार्ट 5.1: एस0पी0एस0ई0 में अंश पूँजी निवेश

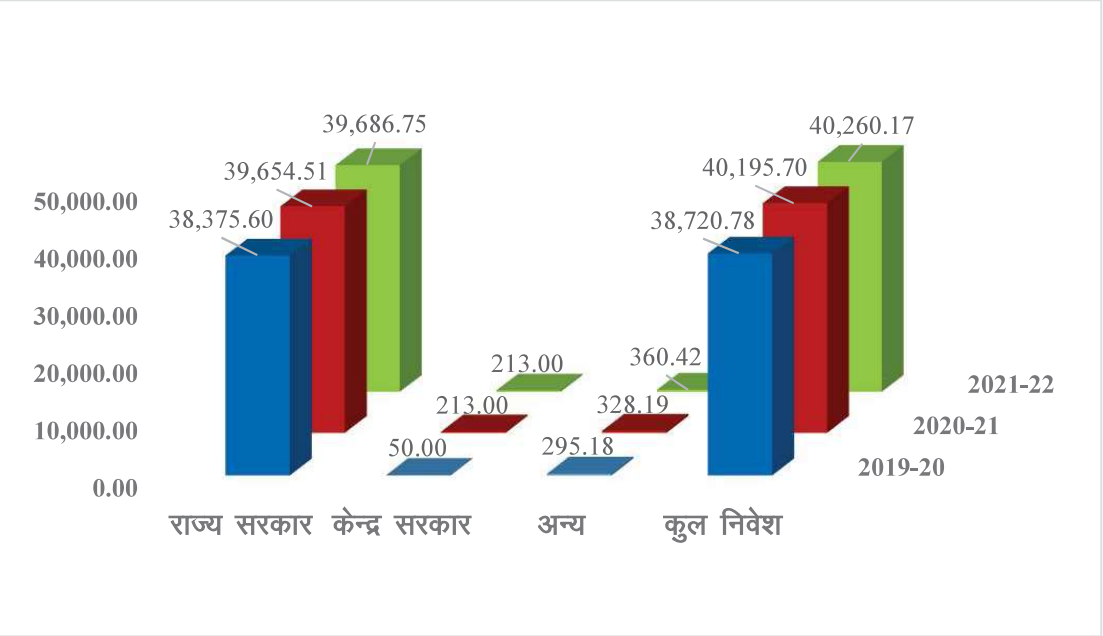

(स्रोत : एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

अंश पूँजी में ₹ 39,686.75 करोड़ के निवेश में से राज्य सरकार ने ₹ 39,371.32 करोड़ का निवेश ऊर्जा क्षेत्र में किया है। वर्ष 2021–22 तक राज्य सरकार द्वारा एस0पी0एस0ई0 के प्रदत्त पूँजी में किए गए महत्वपूर्ण निवेश का विवरण **तालिका 5.4** में दर्शाया गया है:

तालिका 5.4: राज्य सरकार द्वारा किए गए महत्वपूर्ण निवेश धारिता

क्र0 सं0	एस0पी0एस0ई0 का नाम	विभाग का नाम	राशि (₹ करोड़ में)	16 एस0पी0एस0ई0 में कुल निवेश के विरूद्ध धारिता का प्रतिशत
1	साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड (एस0बी0पी0डी0सी0एल0)	ऊर्जा	12,770.34	24.24
2	नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड (एन0बी0पी0डी0सी0एल0)	ऊर्जा	12,144.43	23.05
3	बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड (बी0एस0पी0टी0सी0एल0)	ऊर्जा	8,076.82	15.33
4	बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कम्पनी लिमिटेड (बी0एस0पी0जी0सी0एल0)	ऊर्जा	4,812.96	9.13
5	बिहार ग्रिड कम्पनी लिमिटेड (बी0जी0सी0एल0)	ऊर्जा	322.53	0.80
6	बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कम्पनी लिमिटेड (बी0एस0पी0एच0सी0एल0)	ऊर्जा	1,244.22	2.36
7	पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन	यू0डी0एच0डी0	213.00	0.40
8	बिहार राज्य वित्तीय निगम (बी0एस0एफ0सी0)	उद्योग	39.95	0.08
9	बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड	सड़क	20.00	0.04
10	बिहार राज्य शैक्षणिक आधारभूत संरचना विकास निगम लिमिटेड	शिक्षा	20.00	0.04

(स्रोत: एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

5.2.2 राज्य सरकार की कम्पनियों तथा निगमों को दिया गया ऋण

दीर्घावधि ऋण वैसे ऋण है जिनका पुनर्भुगतान लम्बी अवधि में होता है। राज्य सरकार एस0पी0एस0ई0 के उद्देश्यों को प्राप्त करने एवं इनके सुचारू कार्यकलाप के लिए दीर्घकालिक ऋण के रूप में निवेश करती है, ताकि एस0पी0एस0ई0 की पूँजी एवं राजस्व देनदारियों को पूरा किया जा सके।

5.2.2.1 31 मार्च 2022 को बकाया दीर्घावधि ऋणों की गणना

31 मार्च 2022 को 16 एस0पी0एस0ई0 में से सात[55] में सभी स्रोतों से बकाया कुल दीर्घावधि ऋण ₹ 12,429.50 करोड़ थे। शेष नौ एस0पी0एस0ई0 के पास कोई दीर्घावधि ऋण 31 मार्च 2022 तक नहीं थे। एस0पी0एस0ई0 के बकाया दीर्घावधि ऋणों का वर्षवार विवरण **तालिका 5.5** में दर्शाया गया है :

तालिका 5.5 : एस0पी0एस0ई0 में दीर्घावधि ऋण

(₹ करोड़ में)

ऋण का स्रोत	2019-20	2020-21	2021-22
राज्य सरकार	541.25	619.30	619.30
केन्द्र सरकार	0.00	0.00	0.00
अन्य[56]	5,811.63	11,743.93	11,810.20
कुल निवेश	**6,352.88**	**12,363.23**	**12,429.50**

(स्रोतः एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

वर्ष 2019–20 से 2021–22 के दौरान राज्य सरकार द्वारा दिये गये दीर्घावधि ऋण में ₹ 78.05 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई थी जबकि अन्य स्रोतों से ऋण में ₹ 5,998.57 करोड़ की वृद्धि दर्ज की गई थी। 31 मार्च 2022 तक कुल ऋण में राज्य सरकार का ऋण ₹ 619.30 करोड़ (4.98 प्रतिशत) था।

राज्य सरकार द्वारा प्रदत्त कुल ऋण का ₹ 359.85 करोड़ (58.11 प्रतिशत) ऊर्जा कम्पनियों के पास बकाया था तथा शेष (₹ 259.45 करोड़) अन्य कम्पनियों के पास था, जबकि अन्य स्रोतों से ऋणों (₹ 11,810.20 करोड़) का 100 प्रतिशत ऊर्जा कम्पनियों से संबंधित था।

ऊर्जा क्षेत्र या गैर–ऊर्जा क्षेत्र की किसी भी एस0पी0एस0ई0 द्वारा राज्य सरकार से प्राप्त दीर्घावधि ऋण के मूलधन एवं ब्याज का पुनर्भुगतान नहीं किया गया था।

5.2.2.2 ऋण देनदारियों को पूरा करने के लिए परिसंपत्तियों की पर्याप्तता

कुल परिसंपत्तियों के प्रति कुल ऋण का अनुपात यह निर्धारित करने के लिए इस्तेमाल किये जाने वाले तरीकों में से एक है कि क्या कम्पनी अपने समस्त ऋण चुकाने में समर्थ है। ऋण चुकाने योग्य माने जाने के लिए एक इकाई की परिसंपत्ति का मूल्य उसके ऋण/कर्ज की राशि से अधिक होना चाहिए। सात एस0पी0एस0ई0, जिनके पास 31 मार्च 2022 तक बकाया ऋण थे, में कुल परिसंपत्तियों के मूल्य पर दीर्घावधि ऋणों का कवरेज **तालिका 5.6** में दर्शाया गया है :

---

[55] बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कम्पनी लिमिटेड (बी0एस0पी0एच0सी0एल0), बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड (बी0एस0पी0टी0सी0एल0), साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड (एस0बी0पी0डी0सी0एल0), नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड (एन0बी0पी0डी0सी0एल0), बिहार ग्रिड कम्पनी लिमिटेड (बी0जी0सी0एल0), बिहार स्टेट एग्रो इण्डस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (बी0एस0ए0आई0डी0सी0एल0) एवं बिहार राज्य वित्तीय निगम (बी0एस0एफ0सी0)।

[56] अन्य स्रोतों से ऋण के आँकड़े में रूरल इलेक्ट्रिफिकेशन कॉरपोरेशन, पॉवर फाइनेंस कॉरपोरेशन, बैंक एवं बिहार अर्बन डेवलपमेंट एजेंसी से लिए गए ऋण शामिल है।

तालिका 5.6 : कुल परिसंपत्तियों के साथ दीर्घावधि ऋणों का कवरेज

(₹ करोड़ में)

एस0पी0 एस0ई0	सकारात्मक व्याप्ति				नकारात्मक व्याप्ति			
	एस0पी0 एस0ई0 की संख्या	दीर्घावधि ऋण	संपत्ति	ऋणों के विरूद्ध संपत्ति का प्रतिशत	एस0पी0 एस0ई0 की संख्या	दीर्घावधि ऋण	संपत्ति	ऋणों के विरूद्ध संपत्ति का प्रतिशत
सांविधिक निगम	-	-	-	-	1	228.47	209.72	91.79
सरकारी कम्पनियाँ	5	12,170.05	1,22,793.30	1,008.98	1	30.98	25.33	81.76
कुल	5	12,170.05	1,22,793.30	1,008.98	2	259.45	235.05	90.60

(स्रोत : एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

सात एस0पी0एस0ई0 में से दो एस0पी0एस0ई0[57] की कुल संपत्ति का मूल्य बकाया दीर्घावधि ऋणों से कम था।

5.2.3 एस0पी0एस0ई0 को बजटीय सहायता

बिहार सरकार द्वारा वार्षिक बजट के माध्यम से विभिन्न रूपों में एस0पी0एस0ई0 को वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। मार्च 2022 को समाप्त होने वाले विगत तीन वर्षों के दौरान एस0पी0एस0ई0, जो इस अध्याय में शामिल की गई हैं, को अंश पूँजी, ऋण, अनुदान/सब्सिडी से संबंधित बजटीय व्यय का संक्षिप्त विवरण **तालिका 5.7** में दर्शायी गयी है:

तालिका 5.7 : एस0पी0एस0ई0 को दी गई बजटीय सहायता का विवरण

(राशि ₹ करोड़ में)

विवरण[58]	2019-20		2020-21		2021-22	
	एस0पी0एस0ई0 की संख्या	राशि	एस0पी0एस0ई0 की संख्या	राशि	एस0पी0एस0ई0 की संख्या	राशि
ऊर्जा						
अंश पूँजी का व्यय (i)[59]	1	3,079.20	1	1,125.96	1	32.23[60]
प्रदत्त ऋण (ii)	2	41.01	2	78.05	-	-
प्रदत्त अनुदान/सब्सिडी (iii)	3	7,171.13	2	7,189.78	-	-
कुल व्यय (i+ii+iii) ऊर्जा	3	10,291.34	3	8,393.79	1	32.23
गैर–ऊर्जा						
अंश पूँजी का व्यय (i)	1	60.05	1	152.95	-	-
प्रदत्त ऋण (ii)	-	-	-	-	-	-
प्रदत्त अनुदान/सब्सिडी (iii)	1	5.00	1	7.65	-	-
कुल व्यय (i+ii+iii) गैर–ऊर्जा	2	65.05	2	160.60	-	-
कुल व्यय	5	10,356.39	5	8,554.39	1	32.23

(स्रोतः एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

वर्ष 2019–20 से 2021–22 की अवधि के दौरान इन एस0पी0एस0ई0 को प्राप्त बजटीय सहायता ₹ 32.23 करोड़ से ₹ 10,356.39 करोड़ के मध्य रही। 2021–22 के दौरान ₹ 32.23 करोड़ की अंश पूँजी का निवेश बिहार ग्रिड कम्पनी लिमिटेड में किया गया।

---

[57] बिहार राज्य वित्तीय निगम एवं बिहार स्टेट एग्रो इण्डस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड।

[58] यह राशि केवल राज्य के बजट से व्यय दर्शाती है।

[59] बिहार सरकार ने अपनी होल्डिंग कंपनी यानि बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कंपनी लिमिटेड की ओर से चार सहायक कंपनियों और एक संयुक्त उद्यम को सीधे अंश जारी किए, जिसके खिलाफ इन सहायक कंपनियों ने अपनी होल्डिंग कंपनी को अंश जारी किए। इसलिए, सरकरी निधि के प्रवाह के प्रायोजन के लिए, उसकी सहायक कंपनियों और संयुक्त उद्यम की ओर से केवल होल्डिंग कंपनी पर विचार किया गया है।

[60] वर्ष 2021–22 हेतु ऊर्जा क्षेत्र एस0पी0एस0ई0 में बिहार ग्रिड कम्पनी लिमिटेड को छोड़कर किसी अन्य के लेखे प्राप्त नहीं हुए।

5.3 सरकारी कम्पनियों और निगमों से प्रतिफल

बिहार सरकार द्वारा निवेश की गई अंश पूँजी में निवेश पर प्रतिफल पूँजीगत व्यय की गुणवत्ता के महत्वपूर्ण निर्धारकों में से एक है। निवेश पर प्रतिफल (आर0ओ0आई0) एक वित्तीय अनुपात है जो यह दर्शाता हैं कि एस0पी0एस0ई0 द्वारा बिहार सरकार के निवेश का प्रबंधन कितने अच्छे तरीके से किया जा रहा है।

5.3.1 एस0पी0एस0ई0 द्वारा अर्जित लाभ

वर्ष 2020–21 एवं 2021–22 के दौरान लाभ अर्जित करने वाली एस0पी0एस0ई0 की संख्या सात थी। अर्जित लाभ वर्ष 2020–21 के ₹ 302.15 करोड़ से घटकर 2021–22 में ₹ 291.30 करोड़ हो गया था। 16 एस0पी0एस0ई0 में से पाँच एस0पी0एस0ई0 कई वर्षों से तथा एक एस0पी0एस0ई0[61] 2019–20 से हानि वहन करती आ रही थी। सात एस0पी0एस0ई0, जिन्होंने वर्ष 2021–22 के दौरान लाभ अर्जित किया था, का निवल मूल्य ₹ 10,989.84 करोड़ था। इन सात एस0पी0एस0ई0 का अंश पूँजी पर प्रतिफल (आर0ओ0ई0) वर्ष 2020–21 के 2.80 प्रतिशत से घटकर वर्ष 2021–22 में 2.65 प्रतिशत हो गया। वर्ष 2021–22 में पाँच हानि वहन करने वाले एवं चार बिना लाभ/हानि वाले एस0पी0एस0ई0 सहित सभी 16 एस0पी0एस0ई0 का अंश पूँजी पर प्रतिफल (–)7.88 प्रतिशत था।

2019–20 से 2021–22 के दौरान लाभ अर्जित करने वाली एस0पी0एस0ई0 की संख्या **चार्ट 5.2** में दर्शायी गयी है:

चार्ट 5.2: विगत तीन वर्षों के दौरान लाभ अर्जित करने वाली कम्पनियों की संख्या तथा उनका अंश पूँजी पर प्रतिफल

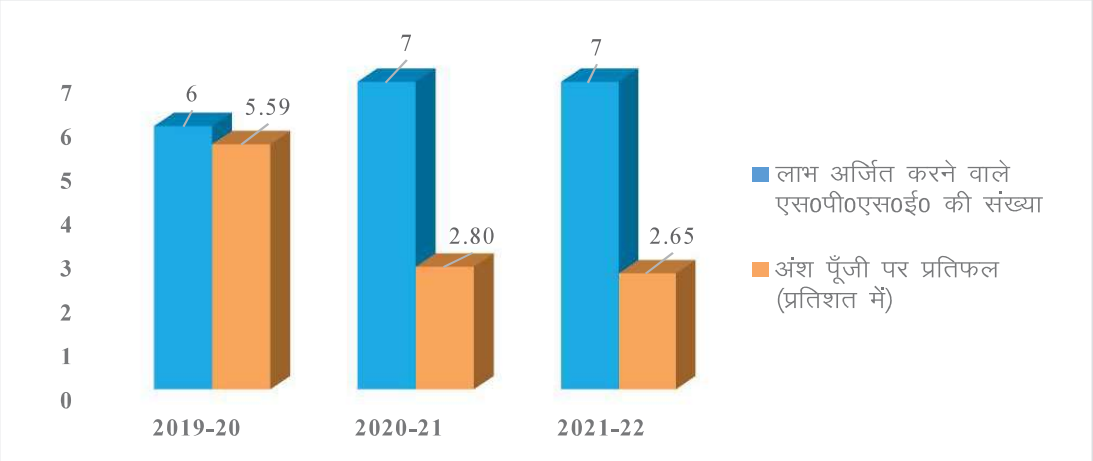

(स्रोतः एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

2021–22 के दौरान अधिकतम लाभ अर्जित करने वाली ऊर्जा एवं गैर ऊर्जा एस0पी0एस0ई0 को **तालिका 5.8** में दर्शाया गया है:

तालिका 5.8: ऊर्जा एवं गैर ऊर्जा क्षेत्र की एस0पी0एस0ई0 जिन्होंने वर्ष 2021–22 के दौरान अधिकतम लाभ कमाया

प्रक्षेत्र	एस0पी0एस0ई0 की संख्या	शुद्ध अर्जित लाभ (₹ करोड में)	सभी एस0पी0एस0ई0 के कुल लाभ से लाभ का प्रतिशत
ऊर्जा	2	235.38	80.80
गैर–ऊर्जा	5	55.92	19.20
कुल	**7**	**291.30**	

(स्रोत : एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

वर्ष 2021–22 के दौरान ₹ 235.38 करोड़ का शुद्ध लाभ, जो कि एस0पी0एस0ई0 के कुल लाभ का 80.80 प्रतिशत था, का योगदान ऊर्जा क्षेत्र द्वारा किया गया था। अद्यतन अन्तिमीकृत

[61] पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन।

लेखाओं के अनुसार ₹ 10 करोड़ से ज्यादा लाभ अर्जित करने वाले एस0पी0एस0ई0 की सूची **तालिका 5.9** में दर्शाया गया है :

तालिका 5.9 : एस0पी0एस0ई0 की सूची जिन्होंने ₹ 10 करोड़ से अधिक का लाभ अर्जित किया

क्र0 सं0	एस0पी0एस0ई0 का नाम	लेखाओं के अंतिमीकरण का वर्ष	शुद्ध लाभ (₹ करोड़ में)
1	बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड	2020-21	91.41
2	बिहार ग्रिड कम्पनी लिमिटेड	2021-22	143.97
3	बिहार स्टेट रोड डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड	2019-20	26.63
4	बिहार राज्य वित्तीय निगम	2019-20	18.58

(स्रोत : एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

5.3.2 एस0पी0एस0ई0 द्वारा लाभांश का भुगतान

वर्ष 2019–20 से 2021–22 की अवधि के दौरान छः से सात एस0पी0एस0ई0 ने लाभ अर्जित किया है। इस अध्याय में शामिल एस0पी0एस0ई0 के संबंध में 2019–20 से 2021–22 के दौरान एस0पी0एस0ई0 द्वारा अर्जित आय का विवरण **तालिका 5.10** में दर्शाया गया है:

तालिका 5.10: वर्ष 2019–20 से 2021–22 के दौरान एस0पी0एस0ई0 द्वारा लाभांश भुगतान

वर्ष	कुल एस0पी0एस0ई0 जहाँ बिहार सरकार द्वारा अंश पूँजी में निवेश किया गया		एस0पी0एस0ई0 जिन्होंने वर्ष के दौरान लाभ अर्जित किया	
	एस0पी0एस0ई0 की संख्या	बिहार सरकार द्वारा निवेशित अंश पूँजी (₹ करोड़ में)	एस0पी0एस0ई0 की संख्या	अर्जित लाभ (₹ करोड़ में)
1	2	3	4	5
2019-20	16	38,375.60	6	544.40
2020-21	16	39,654.51	7	302.15
2021-22	16	39,686.75	7	291.30

(स्रोत : एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

चूँकि राज्य सरकार ने कोई लाभांश नीति तैयार नहीं की थी जिसके तहत सभी लाभ अर्जित करने वाले एस0पी0एस0ई0 को न्यूनतम प्रतिफल का भुगतान करना आवश्यक होता, किसी भी एस0पी0एस0ई0 द्वारा राज्य सरकार को लाभांश घोषित/भुगतान नहीं किया गया।

5.4 ऋण शोधन

ऋण शोधन कुल मूलधन और ब्याज भुगतान है, जो चल रहे ऋण भुगतान और वित्तपोषण की आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए आवश्यक है। ऋण शोधन के प्रयोजन के लिए एक कम्पनी को अपने मूलधन और ब्याज भुगतानों को पूर्ण करने के लिए पर्याप्त राजस्व उत्पन्न करना चाहिए।

5.4.1 ब्याज व्याप्ति अनुपात

ब्याज व्याप्ति अनुपात का उपयोग कम्पनी के बकाया ऋण पर ब्याज भुगतान करने की क्षमता को निर्धारित करने के लिए किया जाता है एवं इसकी गणना ब्याज एवं करों से पूर्व की आय को उसी अवधि के ब्याज व्यय से विभाजित करके की जाती है। अनुपात जितना कम होगा, ऋण पर ब्याज चुकाने की कम्पनी की क्षमता उतनी ही कम होगी। एक से कम का ब्याज व्याप्ति अनुपात दर्शाता है कि कंपनी ब्याज पर अपने व्ययों को पूरा करने के लिए पर्याप्त राजस्व उत्पन्न नहीं कर रही है। 16 एस0पी0एस0ई0 में से सात[62] एस0पी0एस0ई0 में विभिन्न स्रोतों से कुल दीर्घकालिक ऋण बकाया थे। शेष नौ एस0पी0एस0ई0 के पास 31 मार्च 2022

[62] बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कम्पनी लिमिटेड, बिहार स्टेट पावर ट्रांसमिशन कम्पनी लिमिटेड, साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड, नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड, बिहार ग्रिड कम्पनी लिमिटेड, बिहार स्टेट एग्रो इण्डस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड एवं बिहार राज्य वित्तीय निगम।

तक कोई दीर्घकालिक ऋण नहीं थे। वर्ष 2019–20 से 2021–22 की अवधि के दौरान बकाया ऋण वाले एस0पी0एस0ई0 के सकारात्मक और नकारात्मक ब्याज व्याप्ति अनुपात का विवरण **तालिका 5.11** में दर्शाया गया है:

तालिका 5.11: ब्याज व्याप्ति अनुपात

(₹ करोड़ में)

वर्ष	ब्याज	ब्याज एवं करों से पूर्व आय	एस0पी0एस0ई0 की संख्या	एस0पी0एस0ई0 की संख्या जिनका ब्याज व्याप्ति अनुपात >= 1	एस0पी0एस0ई0 की संख्या जिनका ब्याज व्याप्ति अनुपात < 1
सांविधिक निगम					
2019-20	17.68	36.26	1	1	-
2020-21	17.68	36.26	1	1	-
2021-22	17.68	36.26	1	1	-
सरकारी कम्पनियाँ					
2019-20	515.44	(-)2,000.09	5[63]	2	3
2020-21	769.33	(-)832.36	5[63]	2	3
2021-22	782.68	(-)821.38	5[63]	2	3

(स्रोत: एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

वर्ष 2021–22 के दौरान, राज्य सरकार की तीन सरकारी कम्पनियों यथा साउथ बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, नॉर्थ बिहार पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड, बिहार स्टेट एग्रो इण्डस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड का ब्याज व्याप्ति अनुपात एक से कम था। इससे यह पता चलता है कि 31 मार्च 2022 तक अत्यधिक हानि वहन करने के कारण एस0पी0एस0ई0 की आय उनके ब्याज का भुगतान करने के लिए पर्याप्त नहीं है। यह दिवालियापन के उच्च जोखिम को भी इंगित करता है।

5.4.2 राज्य सरकार के ऋणों पर बकाया ब्याज का अवधि–वार विश्लेषण

31 मार्च 2022 तक, बिहार सरकार द्वारा 16 एस0पी0एस0ई0 (जो इस अध्याय में शामिल है), में से चार एस0पी0एस0ई0 के दीर्घकालिक ऋणों पर ₹ 422.83[64] करोड़ का ब्याज बकाया था। एस0पी0एस0ई0 में राज्य सरकार के ऋणों पर बकाया ब्याज का अवधि–वार विश्लेषण **तालिका 5.12** में दर्शाया गया है:

तालिका 5.12: राज्य सरकार के ऋणों पर बकाया ब्याज

(₹ करोड़ में)

क्र0 सं0	एस0पी0एस0ई0 का नाम	लेखाओं के अन्तिमीकरण का वर्ष	ऋण पर कुल बकाया ब्याज	1 वर्ष से कम समय के लिए ऋण पर बकाया ब्याज	1–3 वर्ष के लिए ऋण पर बकाया ब्याज	3 वर्ष से अधिक समय के लिए ऋण पर बकाया ब्याज
1	नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड	2020-21	104.99	26.10	40.80	38.09
2	साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड	2020-21	55.21	9.04	23.75	22.42
3	बिहार राज्य वित्तीय निगम	2019-20	233.92	17.68	36.32	179.92
4	बिहार स्टेट एग्रो इण्डस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड	2020-21	28.71	0.65	1.30	26.76
कुल योग			**422.83**	**53.47**	**102.17**	**267.19**

(स्रोत : एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं/प्राप्त सूचनाओं के आधार पर संकलित)

[63] लाभ अथवा हानि नहीं रहने के कारण ब्याज व्याप्ति अनुपात की गणना के लिए बिहार स्टेट पावर होल्डिंग कम्पनी लिमिटेड को विचारित नहीं किया गया है।

[64] बिहार ग्रिड कम्पनी लिमिटेड ने अन्य वित्तीय संस्थानों से ऋण प्राप्त किया है। अतः बिहार ग्रिड कम्पनी लिमिटेड के ब्याज की राशि को विचारित नहीं किया गया है।

तालिका से यह देखा जा सकता है कि ₹ 267.19 करोड़ की राशि का ब्याज तीन वर्षों से अधिक समय से बकाया था। बिहार स्टेट एग्रो इण्डस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड बकाया ऋण के मूलधन के साथ–साथ ब्याज को चुकाने में भी विफल रही, जबकि बिहार राज्य वित्तीय निगम भी पुर्नभुगतान करने में विफल रहा, क्योंकि निगम कोई नया व्यवसाय अर्थात नया कर्ज नहीं दे रहा है जो कि उसकी आय/राजस्व का मुख्य साधन है।

5.5 सरकारी कम्पनियों की परिचालन दक्षता

परिचालन दक्षता मुख्य रूप से परिचालन लागत के कार्य के रूप में अर्जित लाभ की दक्षता को मापती है। एक अधिक परिचालन दक्षता एक इकाई के लिए लाभदायक है क्योंकि यह इकाई को इसके लिए अधिक आय या प्रतिफल या किसी अन्य विकल्प की तुलना में कम लागत उत्पन्न करने के लिए सक्षम बनाती है।

5.5.1 नियोजित पूँजी पर प्रतिफल

नियोजित पूँजी पर प्रतिफल (आर0ओ0सी0ई0) एक अनुपात है, जो कम्पनी की लाभप्रदता एवं उसकी दक्षता को उसकी नियोजित पूँजी से मापता है। आर0ओ0सी0ई0 की गणना एक कम्पनी के ब्याज एवं करों से पूर्व की आय (ई0बी0आई0टी0) को नियोजित पूँजी[65] द्वारा विभाजित करके की जाती है। प्रत्येक एस0पी0एस0ई0 के आर0ओ0सी0ई0 का विवरण **परिशिष्ट 5.1** में दिया गया है। वर्ष 2019–20 से 2021–22 की अवधि के दौरान 16 एस0पी0एस0ई0 का समेकित नियोजित पूँजी पर प्रतिफल **तालिका 5.13** में दर्शाया गया है:

तालिका 5.13: नियोजित पूँजी पर प्रतिफल

प्रक्षेत्र	एस0पी0एस0ई0 की संख्या	ई0बी0आई0टी0 (₹ करोड़ में)	नियोजित पूँजी (₹ करोड़ में)	आर0ओ0सी0ई0 (प्रतिशत में)
2019-20				
ऊर्जा	8	(-)2,002.66	25,947.00	(-)7.72
गैर–ऊर्जा	8	82.91	724.83	11.44
कुल	**16**	**(-)1,919.75**	**26,671.83**	**(-)7.20**
2020-21				
ऊर्जा	8	(-)835.13	32,129.44	(-)2.60
गैर–ऊर्जा	8	87.85	1,043.70	8.42
कुल	**16**	**(-)747.28**	**33,173.14**	**(-)2.25**
2021-22				
ऊर्जा	8	(-)824.15	32,404.13	(-)2.54
गैर–ऊर्जा	8	87.85	1,043.70	8.42
कुल	**16**	**(-)736.30**	**33,447.83**	**(-)2.20**

(स्रोत : एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

यह देखा गया कि वर्ष 2019–20 से 2020–21 के दौरान 16 एस0पी0एस0ई0 में से ऊर्जा क्षेत्र के एस0पी0एस0ई0 का नियोजित पूँजी पर प्रतिफल (-)2.54 प्रतिशत से (-)7.72 प्रतिशत के मध्य ऋणात्मक रहा एवं गैर–ऊर्जा क्षेत्र की एस0पी0एस0ई0 का नियोजित पूँजी पर प्रतिफल 11.44 प्रतिशत से घटकर 8.42 प्रतिशत हो गया। पुनः, वर्ष 2021–22 के दौरान 16 एस0पी0एस0ई0 का नियोजित पूँजी पर प्रतिफल वर्ष 2019–20 की तुलना में अधिक था, जिसका मुख्य कारण ऊर्जा प्रक्षेत्र की एस0पी0एस0ई0 में नियोजित पूँजी पर प्रतिफल में वृद्धि था। हालाँकि, वर्ष 2019–20 से 2021–22 के दौरान यह ऋणात्मक रहा।

5.5.2 सरकारी निवेश पर वास्तविक प्रतिफल की दर (आर0ओ0आर0आर0)

बिहार सरकार द्वारा 16 कम्पनियों में महत्वपूर्ण निवेश को ध्यान में रखते हुए राज्य सरकार के दृष्टिकोण से इस प्रकार के निवेश पर प्रतिफल आवश्यक है। प्रतिफल की परम्परागत गणना केवल

[65] नियोजित पूँजी = प्रदत्त अंश पूँजी + मुक्त संचय एवं अधिशेष + दीर्घावधि ऋण – संचित हानियाँ – स्थगित राजस्व व्यय।

ऐतिहासिक लागत के आधार पर होने के कारण निवेश पर प्रतिफल की पर्याप्तता का सही सूचक नहीं है, क्योंकि इस प्रकार की गणना धन के वर्तमान मूल्य की उपेक्षा करती है। अतः निवेश पर प्रतिफल की गणना धन के वर्तमान मूल्य (पी0वी0) को ध्यान में रखकर की गई है ताकि बिहार सरकार द्वारा किए गए निवेश पर वास्तविक प्रतिफल को ज्ञात किया जा सके। राज्य सरकार द्वारा एस0पी0एस0ई0 में अंश पूँजी, ब्याज मुक्त/डिफॉल्टेड दीर्घकालिक ऋण तथा पूँजीगत अनुदान के रूप में 2014–15 से लेकर 31 मार्च 2022 तक निवेश किया गया था, जिस पर राज्य सरकार द्वारा निवेश के वर्तमान मूल्य की गणना की गई है।

16 एस0पी0एस0ई0 में राज्य सरकार के निवेश पर वर्तमान मूल्य की गणना निम्नलिखित मान्यताओं के आधार पर की गई थी:

- ब्याज मुक्त/डिफॉल्टेड दीर्घकालिक ऋण और पूंजीगत अनुदान को राज्य सरकार द्वारा निवेश माना गया है। इसके अलावा, उन मामलों में जहाँ एस0पी0एस0ई0 को दिए गए ब्याज मुक्त ऋण को बाद में अंश पूँजी में परिवर्तित कर दिया गया था, अंश पूँजी में परिवर्तित ऋण की राशि को ब्याज मुक्त ऋण की राशि से घटा दिया गया है और उस वर्ष की अंश पूँजी में जोड़ा गया है। राजस्व अनुदान और सब्सिडी के रूप में उपलब्ध कराई गई धनराशि को निवेश के रूप में नहीं माना गया है।
- संबंधित वित्तीय वर्ष के लिए राज्य सरकार के धन के वर्तमान मूल्य की गणना हेतु सरकार द्वारा लिए गए ऋण पर ब्याज की औसत दर को डिस्काउंट दर के रूप में अपनाया गया है, क्योंकि यह वर्ष के दौरान निवेश किए धन पर सरकार द्वारा वहन की गई लागत को दर्शाता है।

इन कंपनियों की स्थापना के बाद से 31 मार्च 2022 तक अंश पूँजी, ब्याज मुक्त/ डिफॉल्टेड ऋण और पूंजीगत अनुदान के रूप में 16 कम्पनियों में राज्य सरकार के निवेश की स्थिति तथा इसी अवधि में इन्हीं एस0पी0एस0ई0 में राज्य सरकार के निवेश के वर्त्तमान मूल्य की समेकित स्थिति को **तालिका 5.14** में दर्शाया गया है:

तालिका 5.14: 2014–15 से 2021–22 तक राज्य सरकार द्वारा निवेश का वर्षवार विवरण और सरकारी निधियों के वास्तविक प्रतिफल की दर

(₹ करोड़ में)

वित्तीय वर्ष	वर्ष के आरंभ में कुल निवेश का वर्तमान मूल्य	वर्ष के दौरान राज्य सरकार द्वारा निवेश की गई गई अंश पूँजी	वर्ष के दौरान राज्य सरकार द्वारा दिए गए कुल ब्याज मुक्त/ डिफाल्टेड ऋण तथा पूँजी अनुदान	वर्ष के दौरान कुल निवेश	सरकार के ऋण पर ब्याज की औसत दर (प्रतिशत में)	वर्ष के अंत में कुल निवेश	वर्ष के अंत में कुल निवेश का वर्तमान मूल्य	वर्ष के लिए धन के निवेश की लागत की वसूली के लिए न्यूनतम अपेक्षित प्रतिफल	वर्ष के लिए कुल अर्जित आय	वास्तविक प्रतिफल की दर (प्रतिशत में)
i	ii	iii	iv	v=iii+iv	vi	vii=ii+v	viii= {vii× (100+ vi)/100}	ix= {vii×vi)/100}	x	xi= (x×100/ viii)
2014-15 तक	0.00	9,016.88	6,243.75	15,260.63	6.59	15,260.63	16,266.31	1,005.68	-836.36	-5.14
2015-16	16,266.31	6,931.91	1,423.49	8,355.40	6.58	24,621.71	26,241.81	1,620.11	-884.77	-3.37
2016-17	26,241.81	5,272.00	5,212.82	10,484.82	6.42	36,726.63	39,084.48	2,357.85	-1,319.36	-3.38
2017-18	39,084.48	8,970.68	222.89	9,193.57	6.13	48,278.05	51,237.50	2,959.44	-7,768.11	-15.16
2018-19	51,237.50	5,044.86	3,477.65	8,522.51	6.18	59,760.01	63,453.18	3,693.17	-2,440.50	-3.85
2019-20	63,453.18	3,139.25	1,983.13	5,122.38	5.68	68,575.56	72,470.65	3,895.09	-2,416.84	-3.33
2020-21	72,470.65	1,278.91	1,703.46	2,982.37	5.94	75,453.02	79,934.93	4,481.91	-1,644.80	-2.06
2021-22	79,934.93	32.23	0.00	32.23	5.70	79,967.16	84,525.29	4,558.13	-1,655.65	-1.96
कुल		**39,686.72**	**20,267.19**	**59,953.91**						

(स्रोत : एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

वर्ष के अंत में राज्य सरकार द्वारा इन 16 कम्पनियों में निवेशित धनराशि का शेष 2014–15 के ₹ 15,260.63 करोड़ से बढ़कर 2021–22 में ₹ 59,953.91 करोड़ हो गया था क्योंकि राज्य सरकार ने अंश पूँजी (₹ 30,669.84 करोड़) एवं पूंजीगत अनुदान (₹ 14,023.44 करोड़) के रूप में अतिरिक्त निवेश किया था। 31 मार्च 2022 तक राज्य सरकार के निवेश का वर्तमान मूल्य ₹ 84,525.29 करोड़ दर्ज किया गया।

यह देखा जा सकता है कि वर्ष 2014–15 से 2021–22 के दौरान ऊर्जा कम्पनियों द्वारा हानि वहन करने के कारण इन एस0पी0एस0ई0 की कुल अर्जित आय और वास्तविक प्रतिफल की दर नकारात्मक रही, जो यह इंगित करता है कि सरकार के निधियों की लागत वसूल करने के लिए निवेशित निधियों पर प्रतिफल उत्पन्न करने के बजाय उन्होंने पिछले कुछ वर्षों में अत्यधिक हानियों का संचय किया है, जिससे वे व्यावसायिक रूप से अव्यवहारिक हो गयी हैं।

5.5.3 एस0पी0एस0ई0 में निवेश पर प्रतिफल (आर0ओ0आई0)

निवेश पर प्रतिफल[66] कंपनियों के वित्तीय प्रदर्शन को मापने का एक उपाय है जिसकी गणना कुल निवेश से शुद्ध आय को विभाजित कर की जाती है। 31 मार्च 2022 को समाप्त तीन वर्षों के लिए अध्याय में शामिल एस0पी0एस0ई0 के प्रक्षेत्रवार निवेश पर प्रतिफल **तालिका 5.15** में दर्शाया गया है।

तालिका 5.15: प्रक्षेत्रवार निवेश पर प्रतिफल

(प्रतिशत में)

प्रक्षेत्र	2019-20	2020-21	2021-22
ऊर्जा	(-)4.41	(-)1.58	(-)1.55
गैर–ऊर्जा	5.93	5.11	5.09
कुल	**(-)4.10**	**(-)1.37**	**(-)1.34**

(स्रोत: एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

तालिका से यह देखा जा सकता है कि 16 सरकारी कम्पनियों और निगमों में निवेश पर प्रतिफल में वर्ष 2019–20 की तुलना में वर्ष 2021–22 के दौरान मामूली सुधार हुआ इसका मुख्य कारण ऊर्जा कम्पनियों में निवेश पर प्रतिफल में वृद्धि थी।

5.5.4 एस0पी0एस0ई0 में अंश पूँजी पर प्रतिफल (आर0ओ0ई0)

अंश पूँजी पर प्रतिफल[67] कम्पनियों के वित्तीय प्रदर्शन को मापने का एक उपाय है जिसकी गणना शेयरधारकों की अंश पूँजी से शुद्ध आय को विभाजित कर की जाती है। 31 मार्च 2022 को समाप्त तीन वर्षों के लिए एस0पी0एस0ई0 का प्रक्षेत्रवार अंश पूँजी पर प्रतिफल **तालिका 5.16** में दर्शाया गया है।

तालिका 5.16: प्रक्षेत्रवार अंश पूँजी पर प्रतिफल

(प्रतिशत में)

प्रक्षेत्र	2019-20	2020-21	2021-22
ऊर्जा	(-)12.38	(-)8.48	(-)8.45
गैर–ऊर्जा	8.95	6.86	6.86
कुल	**(-)11.89**	**(-)7.90**	**(-)7.88**

(स्रोत: एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

तालिका से यह देखा जा सकता है कि 16 सरकारी कम्पनियों और निगमों का अंश पूँजी पर प्रतिफल वर्ष 2019–20 से वर्ष 2021–22 के मध्य नकारात्मक रही जिसका मुख्य कारण ऊर्जा कम्पनियों की हानियाँ एवं अंश पूँजी पर नकारात्मक प्रतिफल था।

[66] निवेश पर प्रतिफल = (ब्याज, कर और अधिमान लाभांश के पूर्व शुद्ध लाभ/अंश पूँजी) × 100/निवेश। जहाँ निवेश = चुकता पूँजी + मुक्त संचय + दीर्घकालिक ऋण।

[67] अंश पूँजी पर प्रतिफल = (कर एवं अधिमान लाभांश के पश्चात् शुद्ध लाभ/अंश पूँजी)×100 जहाँ अंश पूँजी = प्रदत्त पूँजी + मुक्त संचय – संचित हानि – स्थगित राजस्व व्यय।

5.6 हानि वहन करने वाली एस0पी0एस0ई0 एवं पूँजी का क्षरण

पूँजी का क्षरण तब होता है जब किसी कम्पनी की आय में एक स्थिर, दीर्घकालिक गिरावट का रूझान होता है। यह किसी कम्पनी के रूग्ण वित्तीय स्थिति को इंगित करता है।

5.6.1 हानि वहन करने वाली एस0पी0एस0ई0

2019–20 से 2021–22 के दौरान हानि वहन करने वाली एस0पी0एस0ई0 की संख्या पाँच से छः के मध्य रही जिसे **तालिका 5.17** में दर्शाया गया है:

तालिका 5.17: 2019–20 से 2021–22 के दौरान हानि वहन करने वाली एस0पी0एस0ई0 की संख्या

वर्ष	हानि वहन करने वाली एस0पी0एस0ई0 की संख्या	वर्ष के लिए शुद्ध हानि (₹ करोड़ में)	संचित हानियाँ (₹ करोड़ में)	निवल मूल्य[68] (₹ करोड़ में)
सरकारी कम्पनियाँ				
2019-20	6	2,961.24	19,629.17	9,312.52
2020-21	5	1,946.95	21,041.52	8,783.09
2021-22	5	1,946.95	21,041.52	8,783.09

(स्रोत: एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

वर्ष 2021–22 के दौरान पाँच एस0पी0एस0ई0 को हुई कुल ₹ 1,946.95 करोड़ की हानि में से ₹ 1,942.01 करोड़ की हानि दो एस0पी0एस0ई0 द्वारा वहन की गई थी जिनकी सूची **तालिका 5.18** में दर्शायी गयी है:

तालिका 5.18: एस0पी0एस0ई0 जिन्होंने ₹ 10 करोड़ से अधिक की हानि वहन की

(₹ करोड़ में)

क्र0 सं0	एस0पी0एस0ई0 का नाम	अंतिमीकृत लेखा का वर्ष	कर एवं अधिमान लाभांश के बाद शुद्ध लाभ/हानि
1	साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड	2020-21	(-)1,140.50
2	नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड	2020-21	(-)801.51
कुल			(-) 1,942.01

(स्रोत: एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

5.6.2 सरकारी कम्पनियों में पूँजी का क्षरण

31 मार्च 2022 तक, 16 एस0पी0एस0ई0 में 12 एस0पी0एस0ई0 (सभी कार्यशील) का निवल मूल्य सकारात्मक था। शेष चार एस0पी0एस0ई0 (**तालिका 5.19** में दर्शाई गई है), जिसमें तीन कार्यशील एवं एक अकार्यशील थी, का निवल मूल्य नकारात्मक था। इन तीन[69] कार्यशील एस0पी0एस0ई0 तथा एक[70] अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 का निवल मूल्य उनकी संचित हानियों से पूरी तरह क्षरित हो गई थी क्योंकि इन एस0पी0एस0ई0 में 31 मार्च 2022 तक अंश पूँजी निवेश ₹ 77.86 करोड़ एवं ₹ 7.64 करोड़ के विरूद्ध निवल मूल्य क्रमशः (–) ₹ 405.46 करोड़ एवं (–) ₹ 182.97 करोड़ था। पुनः, दो[71] एस0पी0एस0ई0 का निवल मूल्य उसके प्रदत्त पूँजी के 15 प्रतिशत से भी कम था और एक एस0पी0एस0ई0 अर्थात नॉर्थ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड का निवल मूल्य

---

68 निवल मूल्य का अर्थ है प्रदत्त अंश पूंजी तथा मुक्त संचय एवं अधिशेष का कुल योग घटाव संचित हानियां तथा स्थगित राजस्व व्यय। मुक्त संचय का अर्थ है लाभ से बनाए गए सभी संचय और अंश प्रीमियम लेखे किंतु इसमें संपत्तियों के पुर्नमूल्यांकन एवं ह्रास को वापस लेकर बनाए गए संचय सम्मिलित नहीं होते हैं।

69 लखीसराय बिजली कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड, पीरपैंती बिजली कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड एवं बिहार राज्य वित्तीय निगम।

70 बिहार स्टेट एग्रो इण्डस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड।

71 बिहार स्टेट पावर जेनरेशन कम्पनी लिमिटेड एवं साउथ बिहार पावर डिस्ट्रीब्यूशन कम्पनी लिमिटेड।

31 मार्च 2022 के अंत में ₹ 12,144.43 करोड़ के अंश पूँजी निवेश के विरूद्ध ₹ 6,672.93 करोड़ (54.95 प्रतिशत) थी, जो उसकी वित्तीय क्षमता की रूग्णता को दर्शाता है।

तालिका 5.19: उन एस0पी0एस0ई0 का विवरण जिनका निवल मूल्य अद्यतन अन्तिमीकृत लेखाओं के अनुसार क्षरित हो गया है

(₹ करोड़ में)

क्र0 सं0	एस0पी0एस0ई0 का नाम	नवीनतम अन्तिमीकृत लेखाओं का वर्ष	कुल प्रदत्त पूँजी	ब्याज, कर एवं लाभांश के बाद शुद्ध लाभ (+)/ हानि (-)	संचित हानियाँ	निवल मूल्य	31 मार्च 2022 तक राज्य सरकार की अंश पूँजी	31 मार्च 2022 तक राज्य सरकार की ऋण
1	लखीसराय बिजली कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड	2019-20	0.01	0.00	0.05	(-) 0.04	0.01	--
2	पीरपैंती बिजली कम्पनी प्राईवेट लिमिटेड	2019-20	0.01	0.00	0.05	(-) 0.04	0.01	--
3	बिहार राज्य वित्तीय निगम	2019-20	77.84	18.58	493.27	(-) 405.38	39.95	228.47
4	बिहार स्टेट एग्रो इण्डस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड	2020-21	7.64	(-) 0.67	190.61	(-) 182.97	7.64	30.98

(स्रोतः एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

5.7 अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 का समापन

31 मार्च 2022 को समाप्त पिछले तीन वर्षों में प्रत्येक वर्ष के अंत में अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 की संख्या नीचे दी गई है:

तालिका 5.20 : अकार्यशील एस0पी0एस0ई0

विवरण	2019-20	2020-21	2021-22
अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 की संख्या	42	42	40[72]
उपरोक्त में से, समापन की प्रक्रिया के अधीन एस0पी0एस0ई0 की संख्या	5	5	5

(स्रोतः संबंधित वर्षों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन (सा0क्षे0उ0), बिहार सरकार तथा परिशिष्ट–5.2 में वर्णित जानकारी के आधार पर संकलित)

2021–22 में दर्शायी गयी सभी 40 एस0पी0एस0ई0 पाँच वर्षों से अधिक समय से अकार्यशील थी। अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 की स्थिति निम्न **तालिका 5.21** में दर्शाई गई है:

तालिका 5.21: अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 की स्थिति

क्र0 सं0	स्थिति	एस0पी0एस0ई0 की संख्या
1	परिसमापन की प्रक्रिया में	5
2	नाम हटाने के लिए कम्पनी रजिस्ट्रार (आर0ओ0सी0) को आवेदन	6
3	राज्य सरकार ने न्यायालय से समापन याचिका को वापस लेने का निर्णय लिया	12
4	बिहार एवं झारखण्ड के मध्य संपत्तियों तथा देनदारियों का बंटवारा न होने के कारण परिसमापन की प्रक्रिया विचाराधीन	7
5	राष्ट्रीय कम्पनी विधि अधिकरण के साथ प्रक्रिया के अन्तर्गत	1

[72] वर्ष 2021–22 के दौरान दो एस0पी0एस0ई0 यथा, बिहार स्टेट सीमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड (सूची से नाम काट दिया गया) और भवानी एक्टिव कार्बन लिमिटेड (सरकारी कम्पनी नहीं रहने के कारण) को हटा दिया गया।

क्र0 सं0	स्थिति	एस0पी0एस0ई0 की संख्या
6	समापन की प्रक्रिया लम्बित	5
7	सरकार द्वारा कोई कार्रवाई नहीं की गई	4
	कुल	**40**

बिहार सरकार ने 36 अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 (वर्ष 2000 में पाँच एस0पी0एस0ई0, वर्ष 2003 में 27 एस0पी0एस0ई0 और पीछे के वर्षों में शेष चार एस0पी0एस0ई0) को समाप्त करने का निर्णय लिया तथा शेष चार एस0पी0एस0ई0 के पुनर्जीवित या बंद करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया। तथापि, इन निर्णयों के 19 से 22 वर्षों के व्यतीत हो जाने के बाद भी, ये अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 अभी भी परिसमापन के विभिन्न चरणों में थी।

अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 के लेखे एक[73] वर्ष से 45[74] वर्षों (प्रारंभ से ही) तक बकाया थे। इन अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 की व्यवहार्यता भी संदिग्ध है क्योंकि राज्य के सकल घरेलू उत्पाद में इन अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 का कोई योगदान नहीं है।

इसके अतिरिक्त, इन अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 के लगातार अस्तित्व में बने रहने से स्थापना व्यय के रूप में राजकोष पर व्यापक बोझ पड़ता है।

5.8 लेखों को अंतिम रूप नहीं देने के दौरान एस0पी0एस0ई0 को बजटीय सहायता

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 394 यह निर्धारित करती है कि कम्पनियों को प्रत्येक वित्तीय वर्ष के वित्तीय विवरण को संबंधित वित्तीय वर्ष के अंत से छह महीने के भीतर अर्थात् अगले वित्तीय वर्ष के 30 सितम्बर तक अंतिम रूप से तैयार कर लेना है। समय पर लेखा तैयार कर प्रस्तुत करने में विफलता कंपनी के अधिकारियों को अधिनियम के तहत दंडात्मक प्रावधानों के लिए उत्तरदायी बनाती है।

सरकार ने 19 कार्यशील एस0पी0एस0ई0, एक सांविधिक निगम और 15 अकार्यशील एस0पी0एस0ई0, जिनके लेखे 31 मार्च 2022 तक (31 जुलाई 2022 तक की स्थिति के अनुसार) अंतिमीकृत नहीं किये गये थे, को ₹ 29,830.55 करोड़ की बजटीय सहायता (अंश पूँजी, ऋण, अनुदान, सब्सिडी और स्वीकृत प्रत्याभूति) प्रदान की। इन एस0पी0एस0ई0 ने कम्पनी अधिनियम/सम्बन्धित सांविधिक निगमों/एस0पी0एस0ई0 के अधिनियमों के प्रावधानों का उल्लंघन करते हुए पिछले एक से 45 वर्षों से अपने लेखाओं को अन्तिम रूप नहीं दिया है (**परिशिष्ट 5.3**)।

एस0पी0एस0ई0 (विगत छः वर्ष) द्वारा उपलब्ध कराई गई जानकारी की जाँच के दौरान यह पाया गया कि बिहार सरकार ने बिहार राज्य अल्पसंख्यक वित्त निगम लिमिटेड[75] को 2016–17 से 2021–22 तक नियमित बजटीय सहायता दी थी, जबकि कम्पनी के वार्षिक लेखे 2016–17 से बकाया है। कई अन्य कम्पनियाँ[76] भी थीं जिन्होंने पिछले कई वर्षों से अपने लेखे प्रस्तुत नहीं किए थे लेकिन सरकार से निवेश प्राप्त कर रही थी।

लेखाओं को अन्तिम रूप नहीं दिए जाने के कारण, भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (नि0म0ले0प0), कम्पनी अधिनियम द्वारा निर्धारित अनुपूरक लेखापरीक्षा एवं वैसे निगमों की सांविधिक लेखापरीक्षा, जैसा कि उनके अधिनियम में वर्णित है, करने में असमर्थ रहे हैं। लेखाओं

[73] बिहार स्टेट एग्रो इण्डस्ट्रीज डेवलपमेंट कॉरपोरेशन लिमिटेड।

[74] बिहार स्कूटर लिमिटेड।

[75] 2016–17 : ₹ 95.11 करोड़, 2017–18 से 2021–22 : ₹ 40 करोड़ (प्रत्येक वर्ष ₹ आठ करोड़)।

[76] पटना मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (2021–22: ₹ 249.50 करोड़), बिहार स्टेट माइनिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (2017–18: ₹ 20.00 करोड़), बिहार राज्य औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड (2018–19: ₹ 5.00 करोड़)

को समय पर अंतिम रूप देने के अभाव में, सरकार की निवेश के परिणाम राज्य विधायिका के दायरे से बाहर रहते हैं और लेखापरीक्षा की जाँच से बच जाते है। नतीजतन, जवाबदेही सुनिश्चित करने और दक्षता में सुधार के लिए आवश्यक सुधारात्मक उपाय, यदि कोई हो, समय पर नहीं किये जा सकते हैं। धोखाधड़ी और सार्वजनिक धन के दुरूपयोग के जोखिम से इंकार नहीं किया जा सकता है।

5.9 एस0पी0एस0ई0 द्वारा लेखाओं का प्रस्तुतीकरण

प्रत्येक कम्पनी को समय पर शेयरधारकों की वार्षिक सामान्य बैठक (ए0जी0एम0) आयोजित करनी चाहिए। इसके अतिरिक्त, प्रत्येक वित्तीय वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण उक्त ए0जी0एम0 में उनके विचारार्थ प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

5.9.1 ससमय प्रस्तुत करने की आवश्यकता

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 394 के अनुसार, सरकारी कम्पनी के क्रियाकलापों एवं लेन देनों पर वार्षिक प्रतिवेदन कम्पनी की ए0जी0एम0 के तीन महीने के अन्दर तैयार किया जाना है और उसे यथाशीघ्र लेखापरीक्षा अध्याय की एक प्रति और नि0म0ले0प0 द्वारा लेखापरीक्षा अध्याय पर की गई कोई टिप्पणी अथवा अनुपूरक टिप्पणी के साथ राज्य विधान मंडल के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत किया जाना है। सांविधिक निगमों को विनियमित करने वाले संबंधित अधिनियमों में लगभग समान प्रावधान विद्यमान है। यह तंत्र राज्य की समेकित निधि से कम्पनियों में निवेश की गई सार्वजनिक निधियों के उपयोग पर आवश्यक विधायी नियंत्रण उपलब्ध कराता है।

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 96 के अनुसार प्रत्येक कम्पनी द्वारा प्रत्येक कैलेंडर वर्ष में एक बार अंशधारकों की ए0जी0एम0 आयोजित किया जाना आवश्यक है। यह भी कहा गया है कि एक ए0जी0एम0 और अगले ए0जी0एम0 की तारीख के मध्य 15 महीनों से अधिक का अन्तराल नहीं होना चाहिए। इसके अतिरिक्त, कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 में निर्दिष्ट है कि वित्तीय वर्ष के लिए लेखापरीक्षित वित्तीय विवरण ए0जी0एम0 में उनके विचार के लिए प्रस्तुत किया जाना है।

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 129(7) में कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 129 के प्रावधानों का अनुपालन नहीं करने के लिए जिम्मेदार व्यक्तियों, कम्पनी के निदेशकों सहित, पर जुर्माना और कारावास जैसे दण्ड लगाने का भी प्रावधान है।

उपरोक्त प्रावधानों के बावजूद, 31 जुलाई 2022 तक विभिन्न एस0पी0एस0ई0 के वार्षिक लेखे लम्बित थे जिसके ब्यौरे आगामी कंडिकाओं में दिये गये हैं।

5.9.2 एस0पी0एस0ई0 द्वारा लेखाओं को तैयार करने में समयबद्धता

31 मार्च 2022 तक, नि0म0ले0प0 के लेखापरीक्षा कार्यक्षेत्र में, 70 राज्य सरकार की कम्पनियाँ, तीन सांविधिक निगम और चार सरकार द्वारा नियंत्रित अन्य कम्पनियाँ (कुल 77 एस0पी0एस0ई0) थी। इनमें से 31 जुलाई 2022 तक सभी राज्य सरकारी कम्पनियों/सांविधिक निगमों से वर्ष 2021–22 के लेखे प्राप्य थे। 77 एस0पी0एस0ई0 में से केवल एक[77] सरकारी कम्पनी ने 31 जुलाई 2022 से पूर्व वर्ष 2021–22 का लेखा नि0म0ले0प0 द्वारा लेखापरीक्षा के लिए प्रस्तुत किया था। शेष 69 राज्य सरकार की कम्पनियों, तीन सांविधिक निगमों और चार सरकार नियंत्रित अन्य कम्पनियों (कुल 76 एस0पी0एस0ई0) के लेखे विभिन्न कारणों से बकाया थे।

[77] बिहार ग्रिड कम्पनी लिमिटेड।

सांविधिक निगमों की लेखापरीक्षा उनके संबंधित विधान द्वारा शासित होती है। तीन सांविधिक निगमों में से, नि0म0ले0प0, बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के लिए एकमात्र लेखापरीक्षक है। बिहार राज्य वित्तीय निगम और बिहार राज्य भण्डारण निगम के संबंध में, लेखापरीक्षा सनदी लेखाकारों द्वारा की जाती है और नि0म0ले0प0 द्वारा अनुपूरक लेखापरीक्षा की जाती है।

बिहार राज्य वित्तीय निगम के वर्ष 2020–21 एवं 2021–22 के लेखे, बिहार राज्य पथ परिवहन निगम के वर्ष 2019–20 से 2021–22 तक के लेखे और बिहार राज्य भण्डारण निगम के वर्ष 2018–19 से 2021–22 तक के लेखे 31 जुलाई 2022 तक प्रतिक्षित थे।

31 जुलाई 2022 तक एस0पी0एस0ई0 के लेखाओं के प्रस्तुतीकरण में बकाया का विवरण **तालिका 5.22** में दिया गया है :

तालिका 5.22: एस0पी0एस0ई0 द्वारा लेखाओं के प्रस्तुतीकरण की स्थिति

विवरण		सरकारी कम्पनियाँ / सरकार नियंत्रित अन्य कम्पनियाँ / सांविधिक निगम			
		सरकारी कम्पनियों की संख्या	सरकार नियंत्रित अन्य कम्पनियों की संख्या	सांविधिक निगमों की संख्या	कुल
31 मार्च 2022 तक नि0म0ले0प0 के लेखापरीक्षा कार्यक्षेत्र के तहत एस0पी0एस0ई0 की कुल संख्या		70	04	03	77
घटाव: एस0पी0एस0ई0 के नए उद्यम जिनसे 2021–22 के लेखे देय नहीं थे		-	-	-	-
एस0पी0एस0ई0 की संख्या जिनसे वर्ष 2021–22 के लिए लेखे देय थे		70	04	03	77
एस0पी0एस0ई0 की संख्या जिन्होंने 31 जुलाई 2022 तक नि0म0ले0प0 के लेखापरीक्षा के लिए वर्ष 2021–22 के लिए लेखे प्रस्तुत किए		01	-	-	01
31 जुलाई 2022 तक बकाया लेखाओं वाली एस0पी0एस0ई0 की संख्या		69	04	03	76
बकाया लेखाओं की संख्या		1,294	14	09	1,317
बकाया का ब्यौरा	परिसमापनाधीन	99	-	-	99
	अकार्यशील	1,058	-	-	1,058
	कार्यशील	137	14	09	160
'कार्यशील' श्रेणी के विरूद्ध बकाया का अवधि–वार विश्लेषण	एक वर्ष (2021–22)	07	-	-	07
	दो वर्ष (2020–21 और 2021–22)	12	-	02	14
	तीन वर्ष और अधिक	118	14	07	139

(स्रोत: एस0पी0एस0ई0 के अद्यतन अंतिमीकृत लेखाओं के आधार पर संकलित)

इन कम्पनियों के नाम **परिशिष्ट 5.4** में दर्शाये गये हैं। कुल 76 एस0पी0एस0ई0 में से 36 कार्यशील एस0पी0एस0ई0 के 160 लेखे, एक से 23 वर्ष के लिए बकाया थे, जबकि 40 अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 के 1,157 लेखे, एक से 45 वर्ष के लिए बकाया थे।

5.10 वित्त लेखे के साथ समाशोधन

एस0पी0एस0ई0 के अभिलेखों के अनुसार अंश पूँजी, ऋण और बकाया प्रत्याभूतियों के आँकड़े बिहार सरकार के वित्त लेखे में प्रदर्शित आँकड़ों के अनुरूप होने चाहिए। यदि आँकड़े मेल नहीं खाते हैं, तो संबंधित एस0पी0एस0ई0 और वित्त विभाग के अन्तरों का समाशोधन करना चाहिए।

इस संबंध में 31 मार्च 2022 तक की स्थिति विस्तृत रूप से **परिशिष्ट 5.5** में तथा सारांश **तालिका 5.23** में संक्षेपित है:

तालिका 5.23: वित्त लेखे एवं एस0पी0एस0ई0 के अभिलेखों के अनुसार अंश पूँजी, ऋण और बकाया प्रत्याभूतियाँ

निवेश के रूप	वित्त लेखे के अनुसार	एस0पी0एस0ई0 के अभिलेख के अनुसार	अन्तर
अंश पूँजी	34,658.79	42,134.77	-7,475.98
ऋण	5,496.00	4,592.62	903.38
प्रत्याभूति	20,561.39	13,529.50	7,031.89

(स्रोत: एस0पी0एस0ई0 से प्राप्त जानकारी के आधार पर, वित्त लेखे एवं मार्च 2018 के सा0क्षे0उ0 पर नि0म0ले0प0 के प्रतिवेदन के आधार पर संकलित)

आँकड़ों में अन्तर पिछले कई वर्षों से जारी है। अन्तरों के समाशोधन हेतु इस मुद्दे को समय–समय पर एस0पी0एस0ई0/विभागों के साथ भी उठाया गया। इसलिए, यह अनुशंसा की जाती है कि राज्य सरकार और एस0पी0एस0ई0 को अन्तरों का समयबद्ध तरीके से समाशोधन करना चाहिए।

5.11 विद्युत वितरण कम्पनियों (डिस्कॉम्स) का विद्युत क्रय बकाया तथा राज्य वित्त पर इसका प्रभाव

डिस्कॉम्स (एन0बी0पी0डी0सी0एल0 एवं एस0बी0पी0डी0सी0एल0) अपने उपभोक्ताओं को विद्युत प्रदान करने के लिए विद्युत उत्पादन कम्पनियों (राज्य/केन्द्र/अन्य) से विद्युत क्रय करती हैं तथा संबंधित विद्युत कम्पनियों को ऊर्जा और अन्य शुल्कों का भुगतान करती हैं। 31 मार्च 2022 तक डिस्कॉम्स के द्वारा विद्युत क्रय बकाया इस प्रकार है:

तालिका 5.24: डिस्कॉम्स के विद्युत क्रय बकाया का विवरण

(₹ करोड़ में)

क्र0 सं0	विवरण	एन0बी0पी0 डी0सी0एल0	एस0बी0पी0 डी0सी0एल0	कुल
1	राज्य विद्युत उत्पादन कम्पनियों के सम्बन्ध में बकाया	4.95	0.00	4.95
2	केन्द्रीय विद्युत उत्पादन कम्पनियों के सम्बन्ध में बकाया	1,424.36	1,693.59	3,117.95
3	अन्य विद्युत उत्पादन कम्पनियों के सम्बन्ध में बकाया	331.32	1,051.20	1,382.52
	कुल	**1,760.63**	**2,744.79**	**4,505.42**

(स्रोत: डिस्कॉम्स द्वारा प्रस्तुत सूचना/आँकड़े)

उपरोक्त तालिका से यह देखा जा सकता है कि 31 मार्च 2022 को राज्य/केन्द्रीय/अन्य विद्युत उत्पादन कम्पनियों के सम्बन्ध में बकाया राशि क्रमशः ₹ 4.95 करोड़, ₹ 3,117.95 करोड़ और ₹ 1,382.52 करोड़ थी। डिस्कॉम्स द्वारा उपरोक्त विद्युत उत्पादन के बकाये का भुगतान अपने आंतरिक स्रोतों यथा राजस्व प्राप्तियाँ, बिल भुनाने की सुविधा, बैंकों के पास कार्यशील पूँजी की सीमा और राज्य सरकार से प्राप्त सब्सिडी से किया जा रहा है।

डिस्कॉम्स को 2021–22 के दौरान राज्य सरकार से दो मदों के तहत सब्सिडी प्राप्त हुई (अ) *'मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना'* के तहत प्रति इकाई ऊर्जा खपत पर विभिन्न उपभोक्ताओं को सब्सिडी और (ब) बिहार विद्युत विनियामक आयोग (बी0ई0आर0सी0) द्वारा निर्धारित सकल तकनीकी एवं वाणिज्यिक (ए0टी0 एण्ड सी0) हानियों की तुलना में कुल ए0टी0 एण्ड सी0 हानियों की अधिकता के कारण राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में डिस्कॉम्स को वित्तीय हानियों की क्षतिपूर्ति। डिस्कॉम्स द्वारा 2021–22 के दौरान राज्य सरकार से प्राप्त सब्सिडी का विवरण इस प्रकार है:

तालिका 5.25: डिस्कॉम को प्राप्त अनुदानों का विवरण

(₹ करोड़ में)

क्र0 सं0	विवरण	एन0बी0पी0 डी0सी0एल0	एस0बी0पी0 डी0सी0एल0	कुल
1	*'मुख्यमंत्री विद्युत उभोक्ता सहायता योजना'* के तहत प्रति इकाई बिजली उपभोग के लिए विभिन्न उपभोक्ताओं को सब्सिडी	2,969.99	3,607.97	6,577.96
2	बी0ई0आर0सी0 द्वारा निर्धारित ए0टी0 एण्ड सी0 हानियों की तुलना में कुल ए0टी0 एण्ड सी0 हानियों की अधिकता के कारण राज्य सरकार द्वारा सब्सिडी के रूप में डिस्कॉम्स को वित्तीय हानियों की क्षतिपूर्ति	498.96	923.04	1,422.00
कुल		**3,468.95**	**4,531.01**	**7,999.96**

(स्रोत : डिस्कॉम्स द्वारा प्रस्तुत सूचना/आँकड़े)

उपर्युक्त से यह देखा जा सकता है कि *'मुख्यमंत्री विद्युत उभोक्ता सहायता योजना'* के तहत ₹ 6,577.96 करोड़ के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्ध सब्सिडी है और बी0ई0आर0सी0 द्वारा निर्धारित ए0टी0 एण्ड सी0 हानि पर अतिरिक्त ए0टी0 एण्ड सी0 हानियों के कारण ₹ 1,422.00 करोड़ की अप्रतिबद्ध सब्सिडी है।

5.12 सार्वजनिक उपक्रम समिति (सी0ओ0पी0यू0) के प्रतिवेदन का अनुपालन

सी0ओ0पी0यू0 ने राज्य विधानमंडल को एक अनुशंसा (2021–22) के साथ सात प्रतिवेदन प्रस्तुत किये थे। हालाँकि, अनुशंसा (सितम्बर 2022) के संबंध में कोई कार्यवाही टिप्पणी (ए0टी0एन0) प्राप्त नहीं हुई, जिसे **तालिका 5.26** में दर्शाया गया है:

तालिका 5.26: सी0ओ0पी0यू0 प्रतिवेदनों का अनुपालन

सी0ओ0पी0यू0 प्रतिवेदन का वर्ष	सी0ओ0पी0यू0 के प्रतिवेदनों की कुल संख्या	सी0ओ0पी0यू0 प्रतिवेदन में अनुशंसाओं की कुल संख्या	अनुशंसाओं की संख्या जहाँ ए0टी0एन0 प्राप्त नहीं हुए
2019-20	05	0	0
2020-21	01	0	0
2021-22	01	1	1
कुल	**07**	**1**	**1**

(स्रोतः सरकारी उपक्रमों संबंधी समिति द्वारा प्रस्तुत सूचना के आधार पर संकलित)

5.13 अनुशंसाएँ

राज्य सरकार यह सुनिश्चित कर सकती है कि:

- लाभ अर्जित करने वाले एस0पी0एस0ई0 में निवेशित अंश पूँजी पर निर्दिष्ट लाभांश के भुगतान के लिए एक लाभांश नीति बनायी जाए।
- एस0पी0एस0ई0 के आर0ओ0सी0ई0 और आर0ओ0आर0आर0 को ऋणात्मक से सकारात्मक आर0ओ0सी0ई0 / आर0ओ0आर0आर0 में लाने के लिए संबंधित प्रशासनिक विभागों द्वारा प्रयास किए जाएँ क्योंकि ऋणात्मक आर0ओ0सी0ई0 / आर0ओ0आर0आर0 से हानियों का संचय होने की संभावना है, जिससे वे व्यवसायिक रूप से अव्यवहारिक हो जाती हैं।
- हानि वहन करने वाली सभी एस0पी0एस0ई0 के कार्यकलापों की समीक्षा की जाए क्योंकि इन एस0पी0एस0ई0 का निवल मूल्य क्षरित हो गया है जो इनकी वित्तीय स्थिति को दर्शाता है।
- अकार्यशील एस0पी0एस0ई0 के परिसमापन और निस्तारण की समीक्षा की जाए क्योंकि ये एस0पी0एस0ई0 स्थापना व्यय के रूप में राजकोष पर व्यापक बोझ डाल रहे हैं।

- वित्त विभाग और संबंधित प्रशासनिक विभाग यह सुनिश्चित करें कि एस0पी0एस0ई0 अपने लेखाओं को समयबद्ध तरीके से अन्तिमीकृत करने के लिए तत्काल कार्रवाई करें और वैसे एस0पी0एस0ई0, जिनके लेखे बकाया हैं, उनके लेखाओं को तैयार नहीं करने एवं अन्तिमीकृत नहीं करने के लिए प्रबंधन की जवाबदेही तय करने पर विचार करे तथा
- वित्त विभाग और संबंधित एस0पी0एस0ई0 के प्रशासनिक विभाग एस0पी0एस0ई0 के अभिलेखों के अनुसार अंश पूँजी, ऋण और बकाया प्रत्याभूतियों का वित्त लेखे में प्रदर्शित आँकड़ों के साथ अंतर का समाशोधन करने के लिए तत्काल कदम उठाए।

पटना
दिनांक 28 मार्च 2023

(रामावतार शर्मा)
महालेखाकार (लेखापरीक्षा), बिहार

प्रतिहस्ताक्षरित

नई दिल्ली
दिनांक 29 मार्च 2023

(गिरीश चंद्र मुर्मू)
भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक